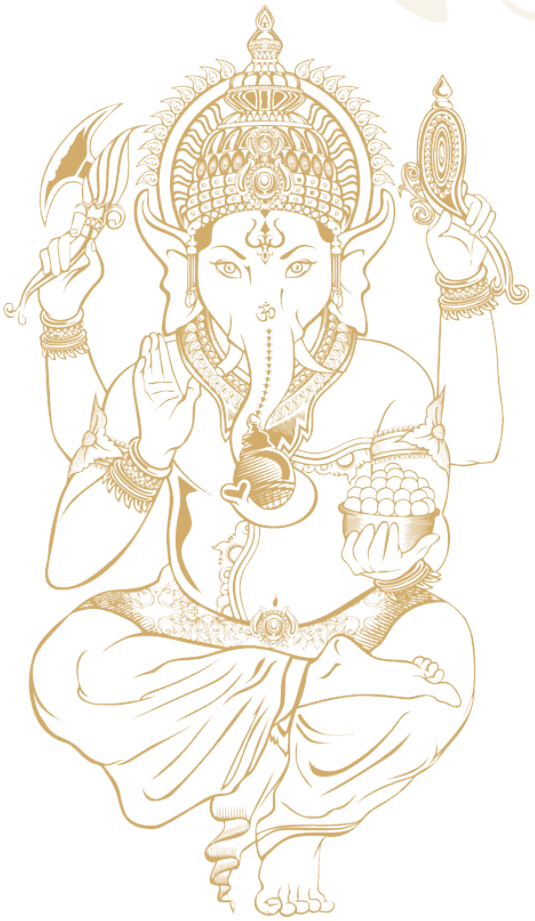

30 Jun 1993

01:00 PM

Nawashahr

Model: web-freekundliweb

Order No: 121083803

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**30/06/1993**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**13:00:00 घंटे**
इष्ट	18:57:53 घटी
स्थान	**Nawashahr**
राज्य	Punjab
देश	India

अक्षांश	31:06:00 उत्तर
रेखांश	76:09:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:25:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	12:34:36 घंटे
वेलान्तर	-00:03:35 घंटे
साम्पातिक काल	07:08:07 घंटे
सूर्योदय	05:24:50 घंटे
सूर्यास्त	19:33:03 घंटे
दिनमान	14:08:13 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	14:45:17 मिथुन
लग्न के अंश	20:55:13 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**विशाखा - 3**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	साध्य
करण	बव
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	ते-तेजवन्त
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	20:55:13	310:20:48	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	---
सूर्य			मिथु	14:45:17	00:57:12	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	केतु	सम राशि
चंद्र			तुला	28:47:42	13:48:24	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	सूर्य	सम राशि
मंगल			सिंह	10:17:09	00:35:03	मघा	4	10	सूर्य	केतु	शनि	मित्र राशि
बुध			कर्क	04:25:04	00:06:12	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	शनि	शत्रु राशि
गुरु			कन्या	12:13:43	00:04:57	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	राहु	शत्रु राशि
शुक्र			वृष	00:08:23	01:03:27	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	राहु	स्वराशि
शनि	व		कुंभ	06:13:50	00:01:55	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	चंद्र	मूलत्रिकोण
राहु			वृश्चि	18:16:56	00:01:14	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	शत्रु राशि
केतु			वृष	18:16:56	00:01:14	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	बुध	सम राशि
हर्ष	व		धनु	26:55:34	00:02:20	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	सूर्य	---
नेप	व		धनु	26:18:42	00:01:35	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	केतु	---
प्लूटो	व		तुला	29:14:57	00:01:02	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	सूर्य	---
दशम भाव			मिथु	21:55:39	--	पुनर्वसु	--	7	बुध	गुरु	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:46:15

लग्न-चलित

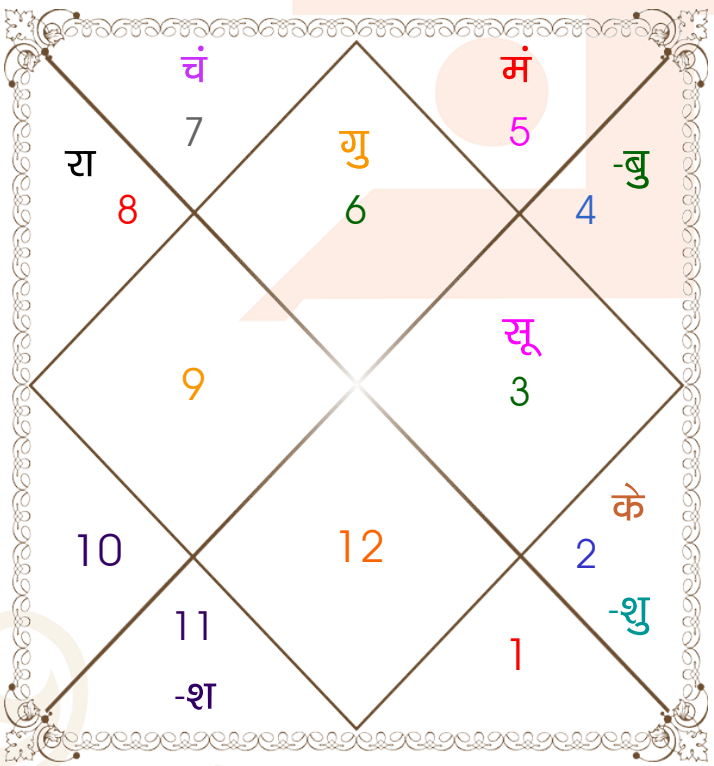

चन्द्र कुंडली

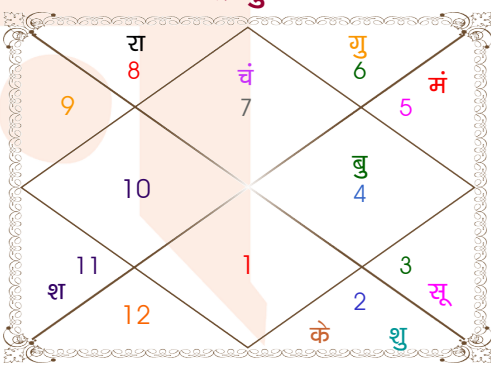

नवमांश कुंडली

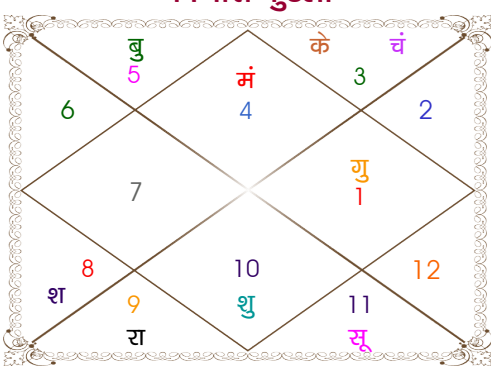

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 5 वर्ष 5 मास 10 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
30/06/1993		10/12/1998		10/12/2017		10/12/2034		10/12/2041	
10/12/1998		10/12/2017		10/12/2034		10/12/2041		10/12/2061	
	00/00/0000	शनि	13/12/2001	बुध	08/05/2020	केतु	08/05/2035	शुक्र	10/04/2045
	00/00/0000	बुध	22/08/2004	केतु	05/05/2021	शुक्र	07/07/2036	सूर्य	11/04/2046
	00/00/0000	केतु	01/10/2005	शुक्र	05/03/2024	सूर्य	12/11/2036	चंद्र	10/12/2047
	00/00/0000	शुक्र	01/12/2008	सूर्य	09/01/2025	चंद्र	13/06/2037	मंगल	09/02/2049
	30/06/1993	सूर्य	12/11/2009	चंद्र	11/06/2026	मंगल	09/11/2037	राहु	09/02/2052
सूर्य	11/04/1994	चंद्र	14/06/2011	मंगल	08/06/2027	राहु	28/11/2038	गुरु	10/10/2054
चंद्र	11/08/1995	मंगल	23/07/2012	राहु	25/12/2029	गुरु	04/11/2039	शनि	10/12/2057
मंगल	17/07/1996	राहु	30/05/2015	गुरु	01/04/2032	शनि	13/12/2040	बुध	10/10/2060
राहु	10/12/1998	गुरु	10/12/2017	शनि	10/12/2034	बुध	10/12/2041	केतु	10/12/2061

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
10/12/2061		10/12/2067		10/12/2077		10/12/2084		11/12/2102	
10/12/2067		10/12/2077		10/12/2084		11/12/2102		00/00/0000	
सूर्य	29/03/2062	चंद्र	10/10/2068	मंगल	08/05/2078	राहु	23/08/2087	गुरु	28/01/2105
चंद्र	28/09/2062	मंगल	11/05/2069	राहु	27/05/2079	गुरु	15/01/2090	शनि	12/08/2107
मंगल	03/02/2063	राहु	10/11/2070	गुरु	01/05/2080	शनि	21/11/2092	बुध	17/11/2109
राहु	29/12/2063	गुरु	11/03/2072	शनि	10/06/2081	बुध	11/06/2095	केतु	23/10/2110
गुरु	16/10/2064	शनि	10/10/2073	बुध	07/06/2082	केतु	28/06/2096	शुक्र	23/06/2113
शनि	28/09/2065	बुध	11/03/2075	केतु	04/11/2082	शुक्र	29/06/2099	सूर्य	01/07/2113
बुध	04/08/2066	केतु	11/10/2075	शुक्र	04/01/2084	सूर्य	24/05/2100		00/00/0000
केतु	10/12/2066	शुक्र	10/06/2077	सूर्य	11/05/2084	चंद्र	23/11/2101		00/00/0000
शुक्र	10/12/2067	सूर्य	10/12/2077	चंद्र	10/12/2084	मंगल	11/12/2102		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 5 वर्ष 5 मा 18 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपका जन्म हस्त नक्षत्र के चतुर्थ चरण में कन्या लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्म समय पर मेदिनीय क्षितिज पर कन्या लग्न के साथ-साथ कर्क राशि का नवमांश एवं वृषभ राशीय द्रेष्काण भी उदित हुआ था। प्रस्तुत समन्वित ज्योतिषीय प्रभाव इस विन्दु की संभावना व्यक्त करता है कि आपका जीवन एक प्रस्तर चक्र के समान शोभनीय है जो सदैव एक परत से दूसरी परत तक परिवर्तित होता रहता है। अर्थात् आप काम को बदल-बदल कर सम्पादन करते रहते हो। आपकी महत्वकांक्षा है कि आपके नाम बैंक में मोटी रकम जमा रहे। परन्तु आप अपनी महत्वकांक्षा के प्रति अनिवार्य रूप से चिन्तन करना आवश्यक नहीं समझते हैं। लेकिन आप अपनी पहुँच के बारे में अच्छी प्रकार अध्ययन नहीं कर पाते कि आखिर आपकी पहुँच कहाँ तक है।

आपकी ऐसी आदत है कि आप अपने स्तर पर अनिवार्य अधूरे कार्य को त्याग कर नये कार्य प्रभार को ग्रहण कर लेते हो। यह साहसिक कार्य आपके लिए सदैव लाभदायक नहीं रहता है। क्योंकि आप वैद्यानिक रूप से यह निर्णय नहीं कर पाते हैं।

परन्तु प्रायः आप अस्वाभाविक रूप से बुद्धि को प्रेरित कर अपनी कार्य योजना का विकल्प की तलाश करने लगते हैं। यदि आप विशेषता पूर्वक निर्णय लेकर पूर्ण रूपेण सक्रिय हो जाएं तो आप पूर्ण लाभ प्राप्त करेंगे।

आपकी दूसरी समस्या यह है कि आप अपने विचारों को अत्यनत संकट ग्रस्त मोड़ दे देते हों। इस कारण ऐसा घटित हो सकता है कि आपके मित्र अथवा व्यवसायिक सहयोगी निरन्तर आपकी कमजोरी के सम्बन्ध में सदैव आलोचना करें। इस प्रकार वे लोग आपको पूर्ण रूपेण तिरस्कृत कर दें। परिणाम स्वरूप वे लोग इस सम्बंध में प्रयास करके आपके विरूद्ध न्यायालय में आपकी त्रुटि को उजागर करे। अतः आपको धैर्य पूर्वक अपनी उस आपतिजनक गुर्राने की आदतों को सदा के लिए त्याग देना चाहिए। आपको नाना प्रकार की घरेलू विषयक दुर्बलता का भी त्याग कर देना चाहिए। अन्यथा वातावरण दुषित हो जायगा। वास्तव में आपको अत्यन्त ही आरामदायक भवन तथा गृहणी चाहिए जो हर हालत में प्रेम सम्बंध प्रदान करते हुए आपका समर्थन एवं सहयोग करे।

आप विपरीत योनि के प्रति आकर्षित तथा सम्बंधित व्यग्रता या घबराहट उत्पन्न करने वाली रोग प्रणाली के प्रति सतर्कता बरते। ये दोनों रोग उच्चस्तरीय स्पन्दित है। यदि आप पूर्व सतर्कता नहीं बरत सके तो आप इन रोगों से ग्रसित एवं प्रभावित हो जाएंगे। आप को वृद्धावस्था की प्राप्ति होगी। आप को भोजन के अतिरिक्त शाक-सब्जी का भोज्य करने के उपरान्त सम्बंधित रोगों के भार से मुक्त हो जाएंगे।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए रंगों में अनुकूल रंग सूआपंखी, पीला, हरा एवं सफेद रंग भाग्यशाली एवं प्रभावक हैं। कृपया काला रंग लाल एवं नीला रंगों का त्याग करें।

आपके लिए अनुकूल संभावित एवं स्पष्ट अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक है। इन तारीखों को महत्वपूर्ण समझें। अंक 1 एवं 8 अंक आपके लिए सर्वथा त्याज्य है।